2

बाँसुरीवाला

- परिचयात्मक प्रश्न : आप में से बाँसुरी किस-किसने देखी अथवा बजाई है?
  बाँसुरी मुख्यत: किस वस्तु से बनाई जाती है?
  बाँसुरी का स्वर हम पर क्या प्रभाव डालता है?
- प्रतिबिंब : बच्चों को मधुर वाणी के प्रभाव से परिचित करवाते हुए उनमें इसे व्यवहार में लाने के भाव उत्पन्न करना।
- परिकल्पना : क्या आपने बाँसुरी के मधुर स्वर का जीव-जंतुओं पर पड़ने वाला प्रभाव देखा या सुना है?

चिंटू मेले में से एक बाँसुरी खरीदकर लाया था। वह दिनभर उसे सीटी की तरह बजाता फिरता। इससे सबकी नाक में दम हो गया था। बच्चा था, सो उसे सुर-ताल की तो कोई समझ न थी, बस धुन थी उसमें फूँक मार-मारकर बजाने की।

आस-पड़ोस के बच्चे भी उसकी देखादेखी बाँसुरी ले आए थे और उसी प्रकार बजाते फिरते थे।

चिंटू के चाचा को बाँसुरी बजाने की थोड़ी समझ थी। उन्होंने चिंटू व अन्य बच्चों को बुलाया और बोले, "देखो बच्चो, बाँसुरी अत्यंत सुरीला साज है। इसे प्रेमपूर्वक फूँक मारकर बजाना चाहिए न कि बेढंगी रीति से। मैं तुम्हें बजाकर दिखाता-सुनाता हूँ," यह कहकर वे भीतर से अपनी बाँसुरी लाए और एक सुरीली धुन बच्चों को सुनाई। इसे सुनकर बच्चे बड़े प्रसन्न हुए।

"सुनो, मैं तुम्हें बाँसुरी के मधुर स्वर का प्रभाव सुनाता हूँ। इससे संबंधित एक कहानी है, सुनोगे?" चिंटू के चाचा ने कहा।

"हाँ-हाँ चाचा, सुनाइए। प्लीज, सुनाइए," सब बच्चे चिंटू के चाचा की बात का उत्तर देते हुए खुशी से उछल-उछलकर बोले। चिंटू के चाचा ने कहानी सुनानी प्रारंभ की।

बात बहुत पुरानी है, किसी गाँव में बंदरों और चूहों ने लोगों की नाक में दम कर रखा था। वे वहाँ इतनी बड़ी संख्या में हो गए थे कि गाँववालों का जीना दूभर हो गया था। दिनभर बंदर उत्पात मचाते और रात को चूहे। गाँव के अनेक लोगों को बंदरों और चूहों ने काट खाया था। उन्हें भगाने-पकड़ने के सभी उपाय जैसे निष्फल हो जाते थे। एक दिन गाँव में एक साधु आया। उसने यह सब देखा तो बहुत चकित हुआ। उसने गाँव के मुखिया से कहा कि एक बाँसुरीवाला है, जो इस संकट से मुक्ति दिलवा सकता है। उसने मुखिया को उसका पता बताया और अपनी राह ली।

बाँसुरीवाला दूर किसी गाँव में रहता था। मुखिया अपने साथ एक आदमी को लेकर उसकी खोज में चल दिया। अगले दिन सायं को मुखिया ने उसका घर खोज निकाला परंतु बाँसुरीवाला वहाँ न मिला। प्रतीक्षा करने से कोई लाभ न था क्योंकि उसके लौटने का भी कोई निश्चित समय न था। सो मुखिया उसके नाम संदेश छोड़कर अपने गाँव लौट आया।

गाँव वाले बंदरों व चूहों से पूर्व की भाँति ही जूझते रहे। वे नित नई तरकीब निकालते परंतु सभी तरकीबें विफल हो जातीं।

एक सप्ताह बाद बाँसुरीवाला आया। मुखिया ने उसका अतिथि की भाँति सत्कार किया और गाँव की पीड़ा से अवगत कराया। बाँसुरीवाले ने मुखिया से कहा कि वह गाँव को इस संकट से मुक्त कर देगा परंतु इस कार्य के बदले एक हजार रूपए लेगा। उस समय एक हजार रुपए बहुत बड़ी राशि मानी जाती थी। मुखिया ने गाँव वालों से सलाह-मशविरा किया और सब इस बात पर राजी हो गए।

दोपहर का समय था। बाँसुरी वाले ने बाँसुरी बजानी प्रारंभ की। बाँसुरी के मधुर स्वर को सुनकर लोग अभिभूत हो गए। वह गली-गली बाँसुरी बजाता घूमता रहा। यह देखकर लोगों के आश्चर्य का ठिकाना न रहा कि बड़ी संख्या में उत्पाती बंदर और चूहे यहाँ-वहाँ से दौड़-दौड़कर उसके पीछे चले यंत्रवत्-से चलने लगे। लगभग एक घंटा वह इस प्रकार गलियों में बाँसुरी बजाता हुआ समीप ही बहने वाली नदी की ओर चल दिया।

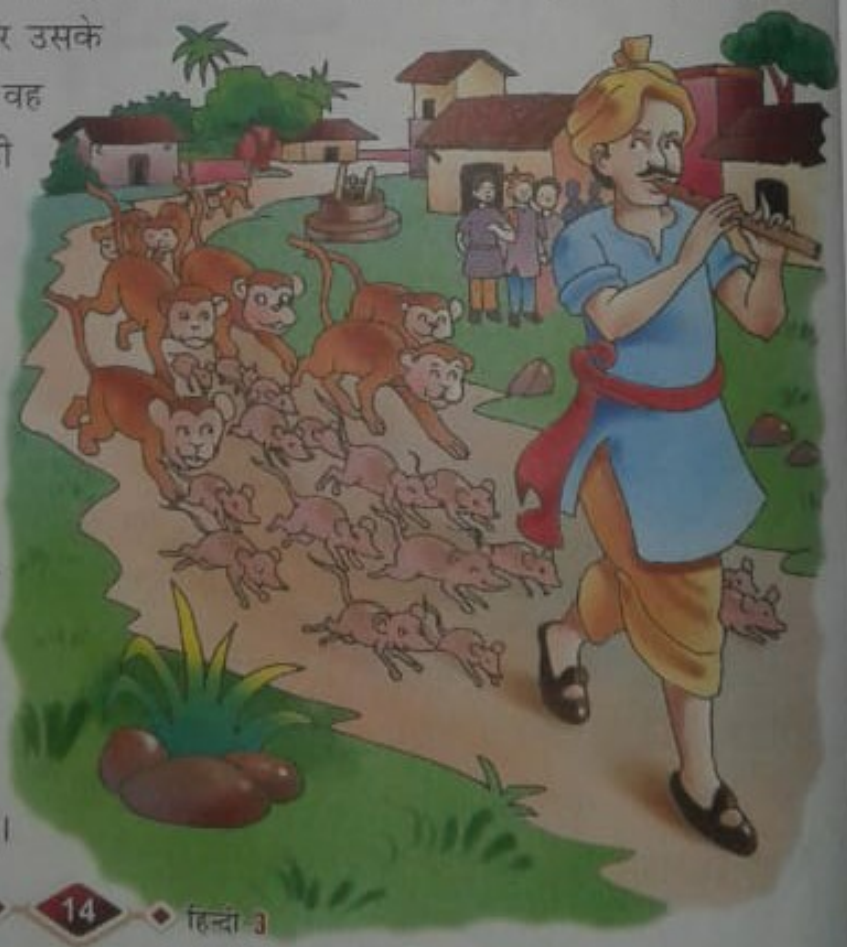

गाँव भर के चूहे और बंदर उसके पीछे चलते रहे और वह सम्मोहित स्वर में बाँसुरी बजाता हुआ नदी में प्रवेश कर गया। चूहों और बंदरों को यह समझने की भी सुध न थी कि नदी में प्रवेश कर वे डूबकर मर जाएँगे। और ऐसा ही हुआ। बाँसुरीवाला बाँसुरी बजाता हुआ नदी पार कर गया। सभी चूहे और बंदर नदी में बह गए थे। अब उसने बाँसुरी बजानी बंद की और गाँव में लौट आया। उसने पाया कि गाँव वालों की खुशी का कोई ठिकाना न था। उन्हें चूहों और बंदरों से छुटकारा मिल चुका था।

बाँसुरीवाले ने मुखिया से अपना पारिश्रमिक माँगा तो मुखिया ने उसे सौ रुपए दिए। बाँसुरीवाले ने उसे याद दिलाया कि एक हजार रुपए देना तया हुआ था, परंतु मुखिया ने देखा कि काम तो हो गया है, सो उसने एक हजार रुपए बहुत अधिक होना बताया। वह बोला, ''सौ रुपए लेने हों तो लो, इससे अधिक देने में वह असमर्थ है।''

मुखिया ने झूठ बोलकर उसे छला है, यह जानकर बाँसुरीवाला नाराज होकर वहाँ से चला गया। मुखिया ने भी उसे न रोका और विजयी भाव से अन्य ग्रामीणों की ओर देखकर मुस्कराया।

बाँसुरीवाले ने गाँव के मुखिया को सबक सिखाने की ठान ली थी। वह आधी रात के समय गाँव में आया। चाँदनी रात थी। वह गली-गली बाँसुरी बजाता हुआ नदी की ओर चल दिया। उसकी बाँसुरी की आवाज सुनकर सोते हुए बच्चे बिस्तरों से उठकर अपने-अपने घरों से निकले और उसके पीछे चल दिए। उसकी बाँसुरी के मधुर स्वर ने अपना चमत्कार दिखाना शुरू कर दिया था।

माताओं को जब बच्चे अपने पास सोते हुए न मिले, तो वे उन्हें खोजने लगीं, पुकारने लगीं। सभी माताओं का बच्चों को पुकारते-रोते बुरा हाल हो गया था। सभी लोग बच्चों को खोज रहे थे, परंतु उनका कुछ पता न था।

इतने में उन्हें बाँसुरी की आवाज सुनाई दी। सब लोग उधर दौड़ पड़े। सभी बच्चे बाँसुरीवाले के पीछे चले जा रहे थे। लोग बाँसुरीवाले से अनुनय-विनय कर उसे गाँव में लाए। बाँसुरीवाले ने कहा कि गाँव के मुखिया ने उसका पारिश्रमिक नहीं दिया, इसलिए वह सभी बच्चों को अपने साथ ले गया।

यह सुनते ही मुखिया ने तुरंत उसे उसका संपूर्ण पारिश्रमिक दे दिया और बच्चों पर से बाँसुरी का सम्मोहन हटाने की प्रार्थना की। बाँसुरीवाला भला आदमी था। उसने फिर से बाँसुरी बजाई। सभी बच्चे अपने-अपने घरों को लौट गए।

इस प्रकार बाँसुरी के मधुर स्वर के प्रभाव से गाँव बंदरों व चूहों के आतंक से मुक्त हो सका और ग्राम के मुखिया को भविष्य में किसी से छल न करने की सीख मिल गई।

शब्दार्थ

सुरीली = मधुर स्वर वाली। **नाक में दम करना** = बहुत परेशान करना। **जीना दूभर हो जाना** = जीना अत्यंत कठिन हो जाना। **उत्पात** = अशांति। **निष्फल** = बेकार। **चकित** = हैरान। **अपनी राह ली** = अपने रास्ते पर चल दिया। **प्रतीक्षा** = इंतजार। **संदेश** = समाचार। **अभिभूत** = वशीभूत, चकित। **यंत्रवत्** = यंत्र की तरह। **पारिश्रमिक** = मेहनताना। **असमर्थ होना** = योग्य न होना।

अभ्यास-कार्य

(क) सही विकल्प के आगे ✓ लगाइए:

1. बाँसुरीवाला रहता था-

(अ) मुखिया के पड़ोस में ☐ (ब) दूर किसी गाँव में ☑ (स) समीप के गाँव में ☐

2. बाँसुरीवाले का पता बताया था-

(अ) गाँववालों ने ☐ (ब) गाँव के मुखिया ने ☐ (स) साधु ने ☑

3. मुखिया ने बाँसुरीवाले का सत्कार किया-

(अ) पड़ोसी की भाँति ☐ (ब) अतिथि की भाँति ☑ (स) मित्र की भाँति ☐

4. गाँव के मुखिया को किसी से छल न करने-

(अ) का पुरस्कार मिला ☐ (ब) की सीख मिली ☑ (स) की सलाह मिली ☐

(ख) उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:

1. चिंटू ......मेले...... में से एक बाँसुरी खरीदकर लाया था। — बाजार/मेले
2. चिंटू बाँसुरी को दिनभर ......सीटी...... की तरह बजाता फिरता था। — बीन/सीटी
3. ......चिंटू...... के चाचा ने बच्चों को कहानी सुनाई। — पिंटू/चिंटू
4. सभी चूहे और बंदर ......नदी...... में बह गए। — नाले/नदी

(ग) सही कथन के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाइए:

1. चिंटू के एक मित्र को बाँसुरी बजानी आती थी। ✗
2. चिंटू के चाचा ने बच्चों को मधुर स्वर में बाँसुरी बजाकर सुनाई। ✓
3. गाँव का मुखिया नहीं चाहता था कि बाँसुरीवाला गाँव से चूहे व बंदर भगाने में सहयोग करे। ✗
4. बाँसुरीवाले ने अपना कार्य किया परंतु मुखिया ने उसके साथ छल किया। ✓

(घ) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

पीड़ा सत्कार अभिभूत उत्पात निष्फल प्रेमपूर्वक

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. बंदरों व चूहों ने गाँव में किस रूप में उत्पात मचाया हुआ था? बंदरों और चूहों ने लोगों का जीवन दूभर कर दिया था।
2. बाँसुरीवाले ने बंदरों व चूहों से गाँववालों को छुटकारा दिलाने की क्या शर्त रखी? एक हजार रु.।
3. बंदरों और चूहों से छुटकारा पाने पर मुखिया ने बाँसुरीवाले से कैसा व्यवहार किया? छलपूर्वक व्यवहार।
4. बाँसुरीवाले ने मुखिया को किस प्रकार सबक सिखाया?

बाँसुरी वाला बाँसुरी बजाता हुआ गाँव के सभी बच्चों को गाँव से दूर ले गया तब गाँव के मुखिया को अपनी भूल का अहसास हुआ।